VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(03 July 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- भारत में कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी को विश्व औसत के बराबर पहुंचाने का प्रयास
- महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण से जुड़े चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए PLI योजना
- राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए GIS आधारित भूमि अधिग्रहण की योजना
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारत में कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी को विश्व औसत के बराबर पहुंचाने का प्रयास:

परिचय:

- राष्ट्रीय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को वैश्विक औसत तक बढ़ाने के लिए भारत सरकार एक खाका तैयार कर रहा है, जिसे सरकार 2047 तक अपने विकसित राष्ट्र लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण मानती है।
- उल्लेखनीय है कि विचाराधीन प्रस्ताव में रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन, देखभाल अर्थव्यवस्था का विकास, तथा अधिकाधिक महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वित्त तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना शामिल है।

सरकार के स्तर पर नीति को लेकर प्रयास:

- महिला एवं बाल विकास तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालयों के साथ-साथ नीति आयोग के बीच संभावित हस्तक्षेपों पर चर्चा शुरू हो गई है।

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नीति बनाने से पहले हितधारकों के साथ परामर्श करने के लिए एक समिति गठित करने की संभावना है।
- उल्लेखनीय है कि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के अनुसार, भारत में महिला श्रम बल भागीदारी 2022-23 में 37% तक सुधरी है, जो 2021-22 में 32.8% थी।
- हालांकि, यह अभी भी 50% से अधिक के वैश्विक औसत की तुलना में बहुत कम है।

'विमेनोमिक्स (Womenomics)' का क्या मतलब है?

- उल्लेखनीय है कि महिलाएं लंबे समय से दुनिया में एक अप्रयुक्त आर्थिक संसाधन रही हैं। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शिंजो आबे ने 2013 में 'विमेनोमिक्स' की नीति शुरू करके इसे बदलने का फैसला किया।
- उन्होंने महिलाओं के रोजगार को बढ़ाने और उनके सशक्तिकरण के लिए एक योजना शुरू की, जो 'विमेनोमिक्स' के रूप में जानी जाती है, और अबे की आर्थिक विकास रणनीति का एक स्तंभ रही है।
- 'विमेनोमिक्स' इस विचार पर आधारित एक नीति है कि एक देश महिलाओं को, उनके कौशल, प्रतिभा और महत्वाकांक्षाओं से मेल खाने वाली नौकरियों और वेतन

से पुरस्कृत करके, कार्यबल में उनकी भागीदारी बढ़ाकर, अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकता है।

- 'विमेनोमिक्स' का विचार है कि महिलाओं की आर्थिक उन्नति से समग्र रूप से अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है?

- उल्लेखनीय है कि सरकार के सामने एक प्रमुख चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि महिला कार्यबल की मांग और पूर्ति दोनों उपलब्ध हों।
- इसके लिए घरेलू काम के मुद्दे को संबोधित करने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को बाहर नौकरी करने के लिए स्वतंत्र किया जा सके।
- इसके अलावा, देखभाल अर्थव्यवस्था का विकास कार्यबल में महिलाओं की मांग को काफी हद तक बढ़ सकता है और उनके लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा कर सकता है।
- पिछले हफ्ते प्रकाशित रॉयटर्स की जाँच के अनुसार फॉक्सकॉन द्वारा संचालित और आईफोन बनाने वाली एक फैक्ट्री ने घर पर अपनी जिम्मेदारियों के कारण विवाहित महिलाओं को काम पर रखने से परहेज़ किया है।

महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़ाने में विनिर्माण क्षेत्र मददगार हो सकता है:

- चूंकि अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड कुछ विनिर्माण भारत में स्थानांतरित करके चीन पर अपनी निर्भरता सीमित कर रहे हैं, इसलिए इस प्रवृत्ति में विनिर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण संख्या में नौकरियां पैदा करने की क्षमता है।
- पिछली आधी सदी में कई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में, विनिर्माण का उदय ऊपर की ओर सामाजिक गतिशीलता का एक शक्तिशाली बल रहा है। महिलाएं इस परिवर्तन के केंद्र में थीं।
- विश्व बैंक द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वियतनाम में, जहाँ कारखानों में उछाल विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा है, 15 वर्ष से अधिक आयु की 68% से अधिक महिलाएँ और लड़कियाँ किसी न किसी प्रकार के वेतन पर काम कर रही हैं। चीन में यह दर 63% है; थाईलैंड में 59%; और इंडोनेशिया में 53%।
- जबकि भारत में, आधिकारिक सर्वेक्षणों में गिने गए नौकरियों में 33% से कम महिला वेतनभोगी काम में लगी हुई है।

महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण से जुड़े चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए PLI योजना:

चर्चा में क्यों है?

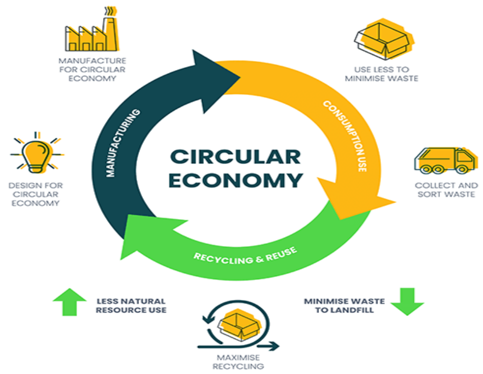

- खनन मंत्रालय, देश में महत्वपूर्ण खनिजों के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (PLI) योजना तैयार करने के शुरुआती चरण में है। इस कदम का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की हाल की नीलामी में मिली सुस्त प्रतिक्रिया के बाद एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है।

महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण से जुडी प्रस्तावित योजना क्या है?

- प्रस्तावित PLI योजना सरकार के शीर्ष थिंक टैंक, नीति आयोग की नीतिगत सिफारिशों के अनुरूप है, और बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2022 का पूरक है, जो 2026 से प्रयुक्त इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) लिथियम-आयन बैटरी के चरणबद्ध पुनर्चक्रण को अनिवार्य बनाता है।

- इस PLI योजना को अभी अंतिम रूप दिया जाना है, लेकिन इसका लक्ष्य ई-कचरे की रीसाइक्लिंग करना है- जिसे अक्सर "शहरी खनन" कहा जाता है - ताकि लिथियम, तांबा, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, क्रोमियम और सिलिकॉन जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को पुनः प्राप्त किया जा सके।
- ये खनिज सौर पीवी मॉड्यूल, पवन टर्बाइन, ऊर्जा भंडारण प्रणाली जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और ईवी के साथ-साथ उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- अन्य PLI योजनाओं की तरह यह योजना भी द्वितीयक उपयोग के लिए पुनर्चक्रित महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी और उन्नत पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों और बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा देगी।

भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के पुनर्चक्रण की आवश्यकता क्यों है?

- भारत में ई-कचरा उत्पादन में तेजी आने की संभावना है, जो सौर और पवन ऊर्जा के बुनियादी ढांचे और ईवी अपनाने में तेजी से वृद्धि के कारण है।
- उद्योग का अनुमान है कि सौर पीवी मॉड्यूल अपशिष्ट वित्त वर्ष 2022-23 में 100 किलोटन (kt) से बढ़कर 2029-30 तक किलोटन (kt) हो जाएगा। इसके अतिरिक्त,

आने वाले वर्षों में 500 किलोटन (kt) EV बैटरियों के पुनर्चक्रण इकाइयों तक पहुँचने की उम्मीद है।

- शोध से पता चलता है कि महत्वपूर्ण खनिजों का पुनर्चक्रण नए अयस्कों और नई खदानों की आवश्यकता को काफी हद तक कम कर सकता है।
- उल्लेखनीय है कि खान मंत्रालय द्वारा पेश किए गए अधिकांश महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक तकनीकी बोली चरण को पारित करने में विफल होने के बाद महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण के विकास को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता और भी अधिक जरूरी हो गई है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था या सर्कुलर इकॉनमी क्या होती है?

- सर्कुलर इकॉनमी एक ऐसी प्रणाली है जिसमें सामग्री कभी बेकार नहीं जाती और प्रकृति का पुनर्जनन होता है। सर्कुलर इकॉनमी में, उत्पादों और सामग्रियों को रखरखाव, पुनः उपयोग, नवीनीकरण, पुनः निर्माण, पुनर्चक्रण और खाद बनाने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रचलन में रखा जाता है।
- यह आर्थिक गतिविधि को सीमित संसाधनों की खपत से अलग करके, जलवायु परिवर्तन और अन्य वैश्विक चुनौतियों, जैसे जैव विविधता हानि, अपशिष्ट और प्रदूषण से निपटती है।

- **सर्कुलर अर्थव्यवस्था निम्नलिखित तीन सिद्धांतों पर आधारित है:**
  - ➢ अपशिष्ट और प्रदूषण को खत्म करना
  - ➢ उत्पादों और सामग्रियों को प्रसारित करना (उनके उच्चतम मूल्य पर)
  - ➢ प्रकृति को पुनर्जीवित करना

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए GIS आधारित भूमि अधिग्रहण की योजना:

चर्चा में क्यों हैं?

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने 2 जुलाई को भारत में आगामी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए उद्देश्य भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी (GIS) आधारित भूमि अधिग्रहण योजना के विकास और सत्यापन के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- इस समझौते का उद्देश्य GIS का लाभ उठाना और भूमि अधिग्रहण योजना को आगे बढ़ाने के लिए GIS-आधारित भूमि अधिग्रहण योजना के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं का विकास करना है।

सर्वेक्षण विभाग के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के प्रमुख बिन्दु:

- इस समझौते में GIS-आधारित भूमि अधिग्रहण योजना डेटा के लिए एक वेब पोर्टल का विकास और देश भर में लगातार संचालित संदर्भ स्टेशनों (CORS) नेटवर्क का उपयोग भी शामिल है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- उल्लेखनीय है कि इस GIS-आधारित भूमि अधिग्रहण में अधिग्रहण के लिए उपयुक्त भूमि पार्सल की पहचान करना, उनका बाजार मूल्य निर्धारित करना, अधिग्रहण प्रक्रिया का प्रबंधन करना और भूमि उपयोग परिवर्तनों के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करना शामिल है।

भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS):

- GIS का मतलब है भौगोलिक सूचना प्रणाली, जो एक कंप्यूटर सिस्टम है जो पृथ्वी की सतह पर स्थानों से संबंधित डेटा को कैप्चर, स्टोर, विश्लेषण और प्रदर्शित कर सकता है।
- GIS मानचित्र पर विभिन्न प्रकार के डेटा दिखा सकता है, जैसे कि इमारतें, सड़कें और वनस्पति, जो लोगों को पैटर्न और संबंधों को अधिक आसानी से देखने में मदद कर सकते हैं।

MCQ

1. भारत में 'राष्ट्रीय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी' की वस्तुस्थिति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में महिला श्रम बल भागीदारी 2022-23 में 37% तक सुधरी है, जो 2021-22 में 32.8% थी।

2. यह अभी भी 50% से अधिक के वैश्विक औसत की तुलना में बहुत कम है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

2. विशेषज्ञों के अनुसार भारत में राष्ट्रिय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने में 'विमेनोमिक्स (Womenomics)' की अवधारणा उपयोगी हो सकती है। विमेनोमिक्स के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) इसका प्रतिपादन जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने 2013 में की थी।

(b) इसका विचार है कि महिलाओं की आर्थिक उन्नति से समग्र रूप से अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

(c) इसके तहत महिलाओं के कौशल, प्रतिभा और महत्वाकांक्षाओं से मेल खाने वाली नौकरियों का विकास करके कार्यबल में उनकी भागीदारी बढ़ाई जा सकती है।

(d) उपर्युक्त सभी सही कथन सही हैं।

Ans. (d)

3. भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के पुनर्चक्रण को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. भारत में ई-कचरा उत्पादन में तेजी आने की संभावना है, जो नवीकरणीय ऊर्जा के और ईवी अपनाने में तेजी से वृद्धि के कारण है।

   2. महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की हाल की नीलामी में मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद यह और भी महत्वपूर्ण है।

   उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

   Ans. (a)

4. सर्कुलर अर्थव्यवस्था को निम्नलिखित किस/किन सिद्धांतों पर आधारित माना जाता है/हैं?

   (a) अपशिष्ट और प्रदूषण को खत्म करना

   (b) प्रकृति को पुनर्जीवित करना

   (c) उत्पादों और सामग्रियों को उनके उच्चतम मूल्य पर प्रसारित करना

   (d) उपर्युक्त सभी।

   Ans. (d)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

5. चर्चा में रहे 'भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. NHAI आगामी राजमार्ग परियोजनाओं के लिए GIS आधारित भूमि अधिग्रहण की योजना बना रहा है।

2. GIS एक कंप्यूटर सिस्टम है जो पृथ्वी की सतह पर स्थानों से संबंधित डेटा को कैप्चर, स्टोर, विश्लेषण और प्रदर्शित कर सकता है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)